प्रेरणा. आइआइएम रांची में महिला हॉकी टीम की खिलाड़ियों ने साझा की सफलता की कहानी

तत्काल संतुष्टि के कई विकल्प, लेकिन लक्ष्य समर्पण से ही मिलेगा

लाइफ रिपोर्टर @ रांची.

आइआइएम रांची में सोमवार को अमृत काल विमर्श कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इसमें बतौर मुख्य अतिथि भारतीय महिला हॉकी टीम की खिलाड़ी निक्की प्रधान, सलिमा टेटे और संगीता कुमारी शामिल हुईं. इस मौके पर खिलाड़ियों ने संघर्ष, सफलता और समर्पण की कहानी साझा की. इस अवसर पर निदेशक प्रो दीपक श्रीवास्तव ने महिला खिलाड़ियों को सात वर्ष बाद वीमेंस एशिया चैंपियनशिप में सफलता पाने की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति समाज आज भी कुंठित सोच रखता है. वहीं महिलाएं तेजी से सफलता के साथ हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति तर्ज करा रही हैं. यह गर्व की बात है कि चैंपियन टीम की तीन श्रेष्ठ खिलाड़ी झारखंड से निकल कर पूरे देश का नाम रोशन कर रही हैं.

आइआइएम रांची में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हॉकी खिलाड़ी.

कठिन परिश्रम और समर्पण से ही मिलेगी सफलता : अमृत काल विमर्श के दौरान वरिष्ठ खिलाड़ी निक्की प्रधान ने कहा कि निरंतर कठिन परिश्रम से ही सफल हो सकते हैं. जीवन में तत्काल संतुष्टि के कई विकल्प मिलेंगे, जबकि समर्पित रहकर ही अंतिम लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है. निक्की ने हॉकी खिलाड़ी बनने की अपनी यात्रा साझा की. बताया कि सफल खिलाड़ियों को देखकर प्रेरणा मिली. लक्ष्य निर्धारण के साथ किसी एक को प्रेरणास्त्रोत मानना होगा. उन्होंने खेल में करियर बनाने के लिए शारीरिक और मानसिक ताकत, दोनों को महत्वपूर्ण बताया. वहीं, सलीमा टेटे ने कहा कि खिलाड़ी बनने की इच्छा जाहिर करने पर परिवार ने निरंतर सहयोग किया. इससे आगे बढ़ने की हिम्मत मिली. संगीता कुमारी ने कहा कि इंसान को अपनी सफलता का मार्ग खुद तय करना होगा. इसके बाद समाज में अपेक्षित सराहना की उम्मीद की जा सकती है. उन्होंने बताया कि खिलाड़ी बनने के बाद समाज और गांव से हर संभव मदद मिली. एशियन चैंपियनशिप में सफलता समाज की उम्मीदों पर खरे उतरने जैसा अनुभव रहा. इस मौके पर संस्था के विद्यार्थियों ने हॉकी चैंपियंस से कई सवाल पूछे, जिनका खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्ण जवाब दिया.